Asthma

15/11/06.

Juhi Paliwal Kailash Paliwal.
Amit Paliwal

मैं कमला पालीवाल आज से चार साल पहले अपनी बेटी जूही को लेकर डा. मेहरा के पास पहली बार आई थी। उस समय जूही की हालत बिलकुल अच्छी नहीं थी। हमे उसे हफ्ते में एक बार तो डॉक्टर देना ही पड़ता था। उसकी उम्र साढ़े पाँच साल थी और हम उसे दो बार अस्पताल में एडमिट भी कर चुके थे। जब मैं डा. से मिली तो सबसे पहले उन्होंने मुझसे उसका इतिहास पूछा फिर दवाईयाँ शुरू की।

मैं तो सभी दवाईयाँ ले लेकर थक चुकी थी। मैंने बस अधमने मन से डा. की दवाइयाँ शुरू कर दी। लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि दो ही महिनों में मुझे इसका असर दिखाई देने लगा। डाक्टर जी पर मेरा विश्वास बढ़ता ही गया और फिर क्या था वे जैसा कहते गए मैं बस वैसा करती गई और ~~साल~~ तीन वर्षो में जूही का अस्तमा बिलकुल ठीक है। अब यदी वह कुछ ठंडा या चॉकलेट खा भी ले तो बिना दवाई के भी उसे कोई तकलिफ नहीं होती।

शुरू में मेरे घर सभी होमियोपैथी का मजाक उडाया करते थे। लेकिन आज यह हालात है। कि मेरे घर का हर एक सदस्य होमियोपैथी पर पूर्ण रूप से विश्वास करता है। असल में होमियोपैथी पर नहीं पर हमें डा. सुनिल मेहरा पर पूरा विश्वास है। इसीलिए आज मेरे पति (कैलाश) मेरा बेटा सभी डाक्टर सुनिल मेहरा के पास दवाइयों के लिए आते है। मेरे पति को Cold, Cough, Bronchitis की समस्या है। डॉ. के पास आने पर उन्हे पूरा आराम मिलता है। पहले वे इस समस्या के कारण कई बार ऑफिस नही जा पाते थे पर अब ऐसा कुछ नहीं है। दवाई खाने के कुछ ही घंटो में उनकी तबीयत पर काफी असर पड़ता है।

Scanned by CamScanner

और वे अपना काम आराम से करते हैं।

इस प्रकार आज मेरे परिवार का हर एक सदस्य आज डा. सुनील मेहरा का सहे दिल से शुक्रियादा अदा करता है

मै ऐसा मानती हूँ यदी हमें उनकी कही बातो को पत्थर की लकिर मानकर चले तो हमे अपने जीवन में बिमारी जैसी कोई तकलिफ का सामना नहीं करना पड़ेगा।

उनके साथ रहने वाले compaunder भी बहुत ही सुशील है जो मरीज की तकलीफ समझकर उनकी सही रूप से सहायता करते हैं।

मैं और मेरा परिवार डॉ. सुनील मेहरा के बहुत आभारी है।

कमला पालीवाल

Paliwal